# श्री विश्वकर्मा जी की आरती

ॐ जय श्री विश्वकर्मा,
प्रभु जय श्री विश्वकर्मा,
सकल सृष्टि के करता,
रक्षक स्तुति धर्मा॥
ॐ जय श्री विश्वकर्मा।

आदि सृष्टि मे विधि को,
श्रुति उपदेश दिया,
जीव मात्र का जग मे,
ज्ञान विकास किया,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा.....

ऋषि अंगीरा तप से,
शांति नहीं पाई,
ध्यान किया जब प्रभु का,
सकल सिद्धि आई,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा.....

रोग ग्रस्त राजा ने,
जब आश्रय लीना,
संकट मोचन बनकर,
दूर दुःखा कीना,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा.....

जब रथकार दंपति,
तुम्हारी टेर करी,
सुनकर दीन प्रार्थना,
विपत हरी सगरी,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा.....

एकानन चतुरानन,
पंचानन राजे,
त्रिभुज चतुर्भुज दशभुज,
सकल रूप साजे,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा.....

ध्यान धरे तब पद का,
सकल सिद्धि आवे,
मन दुविधा मिट जावे,
अटल शक्ति पावे,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा.....

श्री विश्वकर्मा की आरती,
जो कोई गावे,
भजत गजानांद स्वामी,
सुख संपाति पावे,
ॐ जय श्री विश्वकर्मा,
प्रभु जय श्री विश्वकर्मा,
सकल सृष्टि के करता,
रक्षक स्तुति धर्मा॥
ॐ जय श्री विश्वकर्मा....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24631/title/shree-vishwakarma-ji-ki-aarti

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |